कोरोना वायरस महामारी और बच्चों पर प्रभाव

प्रलिमि्स के लयि

यूनसिफ, कुपोषण, बहुआयामी गरीबी

मेन्स के लयि

बच्चों पर कोरोना वायरस महामारी का प्रभाव

चर्चा में क्यों?

'वशि्व बाल दविस' के अवसर पर यूनसिफ (UNICEF) द्वारा जारी एक रपिोर्ट के अनुसार, कोरोना वायरस के 9 में 1 मामला 20 वर्ष से कम आयु के बच्चों और कशिोरों से संबंधति है।

प्रमुख बदिु

- रपिोर्ट में कहा गया है कि 3 नवंबर, 2020 तक 87 देशों में आए 25.7 मलियिन संक्रमण के मामलों में से 11% मामले बच्चों और कशिोरों से संबंधति हैं।
- **रपिोर्ट संबंधी प्रमुख नष्किर्ष**
  - कोरोना वायरस महामारी के कारण बच्चों से संबंधति स्वास्थ्य और सामाजकि सेवाओं में आए व्यवधान के कारण बच्चों पर एक गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।
  - रपिोर्ट में प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार, कोरोना वायरस संक्रमण के कारण वशि्व के लगभग एक-तहिाई देशों में नयिमति टीकाकरण जैसी स्वास्थ्य सेवाओं के कवरेज़ में तकरीबन 10 प्रतशित की गरिावट देखने को मलिी है।
  - वशि्व के 135 देशों में महलिाओं और बच्चों के लयि पोषण सेवाओं के कवरेज़ में 40 प्रतशित की गरिावट है, जसिका दीर्घकाल में खतरनाक परणिाम हो सकता है।
  - रपिोर्ट में कहा गया है कि महामारी के कारण वर्ष 2020 में 5 वर्ष से कम आयु के 6 से 7 मलियिन से अधकि बच्चे वेस्टगि (Wasting) और कुपोषण से पीड़ति हो सकते हैं, इसका सबसे अधकि प्रभाव सब-सहारा अफ्रीका और दक्षणि एशयिा में देखने को मलि सकता है।

??????? ?? ??????? ? ?????? ??????

- **शकि्षा के क्षेत्र में**
  - अप्रैल माह के अंत में जब वशि्व के अधकिांश देशों में लॉकडाउन लागू कयिा गया तो वद्यिालयों को पूरी तरह से बंद कर दयिा गया था, जसिके कारण वशि्व के लगभग 90 प्रतशित छात्रों की शकि्षा बाधति हुई थी और वशि्व के लगभग 1.5 बलियिन से अधकि स्कूली छात्र प्रभावति हुए थे।
  - कोरोना वायरस के कारण शकि्षा में आई इस बाधा का सबसे अधकि प्रभाव गरीब छात्रों पर देखने को मलिा है और अधकिांश छात्र ऑनलाइन शकि्षा के माध्यमों का उपयोग नहीं कर सकते हैं, इसके कारण कई छात्रों वशिेषतः छात्राओं के वापस स्कूल न जाने की संभावना बढ़ गई है।
  - नवंबर 2020 तक 30 देशों के 572 मलियिन छात्र इस महामारी के कारण प्रभावति हुए हैं, जो कि दुनयिा भर में नामांकति छात्रों का 33% है।
- **लैंगकि हसिा में वृद्धि**
  - लॉकडाउन और स्कूल बंद होने से बच्चों के वरिुद्ध लैंगकि हसिा की स्थतिि भी काफी खराब हुई है। कई देशों ने घरेलू हसिा और लैंगकि हसिा के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है।
  - जहाँ एक ओर बच्चों के वरिुद्ध अपराध के मामलों में वृद्धि हो रही है, वहीं दूसरी ओर अधकिांश देशों में बच्चों एवं महलिाओं के वरिुद्ध होने वाली हसिा की रोकथाम से संबंधति सेवाएँ भी बाधति हुई हैं।
- **आर्थकि प्रभाव**
  - वैश्वकि स्तर महामारी के कारण वर्ष 2020 में बहुआयामी गरीबी में रहने वाले बच्चों की संख्या में 15% तक बढ़ोतरी हुई है और इसमें

अतरिक्ति 150 मलियिन बच्चे शामलि हो गए हैं।
    - बहुआयामी गरीबी के नरि्धारण में लोगों द्वारा दैनकि जीवन में अनुभव कयि जाने वाले सभी अभावों/कमी जैसे- खराब स्वास्थ्य, शक्षिा की कमी, नम्नि जीवन स्तर, कार्य की खराब गुणवत्ता, हसिा का खतरा आदकिो समाहति कयिा जाता है।

उपाय:

- सभी देशों की सरकारों को डजिटिल डविाइड को कम करके यह सुनश्चिति करने का प्रयास करना चाहयि कसिभी बच्चों को सीखने के समान अवसर प्राप्त हों और कसिी भी छात्र के सीखने की क्षमता प्रभावति न हो।
- सभी की पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सुनश्चिति की जानी चाहयि और जनि देशों में टीकाकरण अभयिान प्रभावति हुए हैं उन्हें फरि से शुरू कयिा जाना चाहयि।
- बच्चों और युवाओं के मानसकि स्वास्थ्य पर ध्यान दयिा जाना चाहयि और बच्चों के साथ दुर्व्यवहार और लैंगकि हसिा जैसे मुद्दों को संबोधति कयिा जाना चाहयि।
- सुरक्षति पेयजल और स्वच्छता आदतिक बच्चों की पहुँच को बढ़ाने का प्रयास कयिा जाए और पर्यावरणीय अवमूल्यन तथा जलवायु परविर्तन जैसे मुद्दों को संबोधति कयिा जाए।
- बाल गरीबी की दर में कमी करने का प्रयास कयिा जाए और बच्चों की स्थतिमिें समावेशी सुधार सुनश्चिति कयिा जाए।

वशि्व बाल दविस

- बाल अधकिारों के प्रतजिागरूकता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लयि प्रत्येक वर्ष 20 नवंबर को वशि्व बाल दविस (World Children's Day) मनाया जाता है।
- इसे सबसे पहले वर्ष 1954 में मनाया गया था।

स्रोत: द हदिू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/1-in-9-children-infected-by-covid-19-unicef